2024

HINDI

(Honours Core)

Paper : HIN–HC–4036

(हिन्दी नाटक एवं एकांकी)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) 'भारत दुर्दशा'/'अंधेर नगरी' नाटक का प्रकाशन कब हुआ था?

(ख) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित किसी एक नाटक का नामोल्लेख कीजिए।

(ग) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की राजकन्या का नाम क्या है?

(घ) दन्तुल किस नाटक का पात्र है?

(ङ) ऐतिहासिक नाटक किसे कहते हैं?

(च) गुप्त साम्राज्य की राजधानी का नाम क्या था?

(छ) 'एक घूँट' एकांकी के रचनाकार कौन हैं?

(ज) 'यह स्वतंत्रता का युग' एकांकी के पात्र जयंत की पत्नी का नाम क्या है?

(झ) 'वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति' के नाटककार का नाम बताइए।

(ञ) मोतीलाल किस एकांकी का पात्र है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की पात्र मल्लिका की कोई दो चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ख) पठित नाटक के अलावा मोहन राकेश के अन्य किन्हीं दो नाटकों के नाम उनके प्रकाशन वर्षों के साथ लिखिए।

(ग) "प्रत्येक पुरुष के लिए स्त्री एक कविता है।" पठित एकांकी के आधार पर इसका संदर्भ स्पष्ट कीजिए।

(घ) भारतेन्दु के किन्हीं दो अनूदित नाटकों के नाम लिखिए।

(ङ) "निस्सन्देह! मेरे अतिरिक्त और भी कोई तुम इस प्रकोष्ठ में साँस ले रहे हो? सामने क्यों नहीं आते? किसी भी भावना में तुम्हारा स्वागत है।" पठित एकांकी के आधार पर प्रस्तुत कथन का संदर्भ स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) नाटक एवं एकांकी के प्रमुख अंतरों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'भारत दुर्दशा' एवं 'अंधेर नगरी' नाटक में चित्रित समस्याओं पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ग) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में घायल हरिणशावक के दृश्य का महत्त्व क्या है? स्पष्ट कीजिए।

(घ) उद्देश्य की दृष्टि से 'विषकन्या' एकांकी के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ङ) शेखर के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

(च) पठित एकांकी के आधार पर जगदीशचंद्र माथुर के एकांकियों की किन्हीं दो विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

किसी संबंध से बचने के लिए अभाव जितना बड़ा कारण होता है, अभाव की पूर्ति उससे बड़ा कारण बन जाती है।

अथवा

मैंने भावना में एक भावना का वरण किया है। मेरे लिए वह संबंध और सब संबंधों से बड़ा है। मैं वास्तव में अपनी भावना से प्रेम करती हूँ जो पवित्र है, कोमल है, अनश्वर है...।

(ख) भारतेन्दु हरिश्चंद्र की नाट्य-कला का विवेचन कीजिए।

अथवा

कथ्य की दृष्टि से 'भारत दुर्दशा' **अथवा** 'अंधेर नगरी' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(ग) "'यह स्वतंत्रता का युग' एकांकी में नारी की स्वतंत्रता पर पैना व्यंग्य किया गया है।" प्रस्तुत कथन के आलोक में विवेच्य एकांकी के कथ्य की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'भोर का तारा' एकांकी के कथानक की समीक्षा कीजिए।

(घ) प्रसादोत्तर नाट्य-साहित्य की विकास-यात्रा का लेखा-जोखा प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

'विषकन्या' एकांकी के आधार पर चंद्रविजय की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

★★★